NEWS 18 हिंदी

Source:- www.hindi.news18.com
Date:- 12.05.2019

ट्रक में बना रखा था तहखाना, डीआरआई अधिकारियों की नजर पड़ी तो उड़ गए होश

ड्राइवर के केबिन और ट्रक के सामान रखने वाले केबिन के बीच में तहखाना था और उसमें पांच-पांच किलो के गांजे के 122 पैकेट छुपा रखे थे.

News18Hindi
Updated: May 12, 2019, 9:36 PM IST

लखनऊ से 650 किलोग्राम गाजा बरामद किया गया.

लखनऊ डीआरआई के अधिकारियों ने कानपुर रोड से राजस्थान नंबर की एक टाटा ट्रक से 650 किलोग्राम गाजा बरामद किया है. इतनी ज्यादा मात्रा में गाजा की खेप को छुपाने के लिए तस्करों ने जो तरीका अपनाया था, उसे देखकर अधिकारी तक हैरान हैं. इस संबंध में डीआरआई के अधिकारियों ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें से एक ओडीशा का सबसे बड़ा सप्लायर बताया जा रहा है.

दरअसल, डीआरआई के अधिकारियों को गाजा तस्करी की सूचना मिली थी. तलाशी अभियान के तहत उन्होंने राजस्थान नंबर के एक ट्रक को रोका. तलाशी के दौरान सामान रखने का केबिन पूरी तरह से खाली मिला. अधिकारियों को लगा कि उन्हें गलत सूचना दी गई है. इसी दौरान एक अधिकारी की नजर ट्रक के केबिन पर पड़ी. अधिकारियों ने देखा कि केबिन और ट्रक ड्राइवर के केबिन के बीच अलग से एक लोहे की रैक बनाया गया था, जिसे कपड़े से छुपाया गया है. जब इस चादर को हटाया गया तो वहां मौजूद सभी अधिकारियों के होश उड़ गए.

अधिकारियों ने देखा कि तस्करों ने ड्राइवर के केबिन और ट्रक के सामान रखने वाले केबिन के बीच में तहखाना बना रखा था और उसमें पांच-पांच किलो के गांजे के 122 पैकेट छुपा रखे थे. पकड़े गए गांजे का वजन 650 किलो बताया जा रहा है. पकड़े गए गांजे की कीमत 78 लाख के करीब बताई जा रही है. लखनऊ डीआरआई के अधिकारियों ने इस महीने में गांजे की ये तीसरी बड़ी खेप पकड़ी है. इस महीने कुल 1500 किलो गांजा जब्त किया जा चुका है.

ओडीशा का सबसे बड़ा सप्लायर गिरफ्तार

लखनऊ डीआरआई के अधिकारियों ने ट्रक से 650 किलो गाजा तो बरामद किया ही साथ ही उनके हाथ ओडीशा का सबसे बड़ा सप्लायर भी लग गया. बताया जाता है कि श्रीदम अधिकारी नाम का ये तस्कर उड़ीसा के आदिवासी इलाके में गांजे की खेती कराता है और वहां से पश्चिम यूपी में गांजे की सप्लाई करता है. देशभर में गांजे की सप्लाई के लिए वह लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे का इस्तेमाल किया करता था. श्रीदम अधिकारी ने बताया कि इस एक्सप्रेस वे पर सबसे कम चेकिंग होती है, जिसका फायदा वो अक्सर उठाता था.